केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ३ मार्च, २०१९ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (८)	
	४ (९)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (५)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ६		नाम

प्रवीण - २

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आपके सत्संगी हैं, इसीलिए आप उसकी प्रशंसा किए जा रहे हो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आपने हमारी आज्ञा नहीं मानी, इसलिए आपको विमुख करना पड़ेगा।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''दूसरे किसी से न हो सके ऐसा अद्‌भुत कार्य तुमने किया है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. सुराखाचर ने अपना सारा जीवन कैसा कर दिया था? गुण : १

.....

२. दो ब्राह्मण मुमुक्षु भुज पहुँचे तब महाराज किस के घर क्या करते थे? गुण : १

.....

३. कर्ज़ चुकाते समय क्या अनिवार्य है? गुण : १

.....

४. मगनभाई कहाँ और कब अक्षरनिवासी हुए? (संवत्, मास, तिथि) गुण : १

.....

५. उका खाचर की तरह क्या समझ में आई है, वही ऐसी सेवा कर सकता है? गुण : १

.....

६. एकांतिक धर्म किसे कहते हैं? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. संप्रदाय के शास्त्र : श्री हरिलीलामृत **अथवा** २. कल्याण

( ) ....

....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम

३. रामबाई **अथवा** ४. मूलजी और कृष्णजी

( ) ....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. भगवान स्वामिनारायण ने अपने भक्तों की रक्षा में २१२ सुदर्शन चक्र रखे हैं।

२. राजाभाई ने संसार छोड़ ने का मन बना लिया।

३. बंगाल आश्रम के महंत को लोज में भगवान स्वामिनारायण के दर्शन करते ही मन में शांति हो गई।

४. श्रीजीमहाराज स्वयं जेठा मेर के घर पधारे।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ९		नाम

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ५ गुण – ५		नाम

प्र. ५ 'नंद राजा ने संपूर्ण पृथ्वी का.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को पंक्तिक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : 'ध्यान धर ध्यान धर.....' केवल प्रथम पद की पंक्तियाँ

१. प्रीत कर प्रीत कर प्रगट परब्रह्म शुं।

२. अंगोअंग पुष्पनां आभरण पहेरीने।

३. कल्पतरु सर्वना संकल्प सत्य करे।

४. चरणमां श्यामने नूपुर पुष्पनां।

५. प्रगटने भजी भजी पार पाम्या घणा।

६. शिर पर पुष्पनो मुगट सोहामणो।

७. तेम जे प्रगट पुरुषोत्तम प्रीछशे।

८. पुष्पना हारनी पंक्ति शोभे गळे।

९. व्रज तणी नार व्यभिचार भावे तरी।

१०. कोटि रविचंद्रनी कांति झांखी करे।

११. परोक्षथी भव तणो पार आवे नहीं।

१२. पचरंगी पुष्पनां कंकण कर विषे।

(१) केवल सही क्रमांक : | | | | | | | गुण : ३ | |

(२) यथार्थ पंक्तिक्रम : | | | | | | | गुण : ३ | |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे।
(२) यथार्थ पंक्तिक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री मनोनिग्रहयुक्तिज्ञाय नमः .....

.....

.....

.....

.....

..... ॐ श्री पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः॥ गुण : २

२. वहाला मुने वश कीधी .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... जेवी चाल छे रे लोल। गुण : २

३. यन्नामधेयश्रवणानुकीर्तना .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... दर्शनात्॥ गुण : २

४. कामार्त-तस्कर ..... शरणं प्रपद्ये॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आज दिन तक मैंने अनजान से आपको मेरे पात्र का प्रसाद दिया।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''ये तेरे घर में बैठे हैं, वही अक्षर हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मुझे आपस आपस में एक दूसरों की जमानत दो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. मावजी मिस्त्री ने स्वामी को क्या प्रार्थना की? गुण : १

.....

२. स्वामी उपशम स्थिति में थे तब क्या बोलते थे? गुण : १

.....

३. स्वामी की वाणी किस के समान बहती रहती थी? गुण : १

.....

४. महाराज की बात सुनकर भादरा के भक्तों को क्या स्पष्ट हुआ? गुण : १

.....

५. स्वामी संतों के मंडल को कब उपदेश देते? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. ब्रह्मानंद स्वामी ने जूनागढ़ के महंत सोच समझकर नियुक्त करने को कहा।

२. महाराज ने मूलजी भक्त को वापस बुलाने के लिए भगुजी को भेजा।

३. भक्तों लकड़हारे के पास लकडियाँ लेने गए।

४. स्वामी कृपानंद स्वामी के मंडल में रहना अधिक पसंद करते।

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ९		नाम

गुण : ३	

( )

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. सूक्ष्म तप : अपरिग्रह का व्रत २. वालेरा वरु का परिवर्तन ३. धर्मस्वरूपानंद ब्रह्मचारी दोष रहित हो गए

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

( )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. जसा भगत का व्यवहार और सत्संग दोनों सम्भाले　　२. करसन बांभणिया का सर्वस्व अर्पण

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. भादरा के हरिभक्त — गुण : २

(१) ☐ रत्नाभाई

(२) ☐ लालाभाई

(३) ☐ डोसा भक्त

(४) ☐ नाजा जोगिया

२. मान अपमान में एकता — गुण : २

(१) ☐ जितने में रानी का राज्य उतने में राजा का राज्य होता है।

(२) ☐ डुंगर भक्त को आशीर्वाद

(३) ☐ कोई विहारीलालजी महाराज को बुला ले आया।

(४) ☐ सोरठ इलाके में विचरण का प्रारंभ कर दिया।

३. संन्यासी को वैकुंठ धाम — गुण : २

(१) ☐ मैं तो वैकुंठ में पहुँच जाऊँगा।

(२) ☐ रामचंद्र भगवान कितने प्रतापी!

(३) ☐ हमें तो करोड़ों जीवों का कल्याण करना है।

(४) ☐ यहाँ से उठाकर आपको फेंकेंगे तो सीधे धाम पहुँचा देंगे।

४. हनुमान द्वार पर महाराज - स्वामी का मिलन — गुण : २

(१) ☐ श्रीहरि की मूर्ति में एकाग्र हो गए।

(२) ☐ सगुण चरित्र नानाविधि।

(३) ☐ सुनी मुनि मन भ्रम होय।

(४) ☐ अपलक दर्शन।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **गुणातीत बातें :** और जिस दिन स्वामी वचनामृत, निष्कुलानंदकाव्य, शिक्षापत्री, वचनविधि, चोसठपदी आदि ग्रंथ के प्रमाण देकर धर्म-ज्ञान की बातें करते, तब कई साधुओं को वैराग्य का जोश इतना बढ़ जाता कि वे षट्रस का त्याग कर देते !

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

२. **अप्रतीम श्रद्धा :** जलेबी के स्वाद में वह पार्षद स्वामी के साथ दौड़ने को तैयार हो गए। स्वामी रास्ते में, खेतों में, कांटों में, जीव की परवाह किए बिना दौड़ते जाते और हरिभक्त के दर्शन करते जाते।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

३. **प्रागजी भक्त :** गढ़डा के शामजी भक्त ने मुक्तानंद स्वामी का चौदह वर्ष तक अनुवृत्ति पालन करके सेवा-समागम किया था। आखिर मुक्तानंद स्वामी ने उनसे कहा कि 'शामजी तू वडताल जा।'

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

४. **प्रौढ़ प्रताप :** साढ़े पाँच माह तक स्वामी ने श्रीकृष्ण के पुरुषोत्तमपना की एवं स्वभावखंडन की अद्‌भुत बातें की थी। कई लोगों को ऐसी कथा पसंद नहीं पडती थीं।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

५. **वेदांतियों का पराजय :** महाराज अहमदाबाद पधारे हैं, वह समाचार रसीक वेदांत के मिथ्याभिमानी अज्ञानियों को मिला। वे धर्मचर्चा में महाराज को परेशान करने के लिए ही मंदिर में आए।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

६. **आज्ञा धारक :** स्वामी नारायण का स्मरण करते हुए चलते चलते पाँच दिन के बाद जूनागढ़ पहुँचे। झीणाभाई तो अकाल के कारण गुप्तवास करते थे। और संतों को मुलाकात नहीं देते थे।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**